विद्यालङ्कार(B.A. Sanskrit Hons.)
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र-चतुर्थ Semester –IV

आधारभूत पत्र(Core paper)Paper – HSA-C411

भारतीय पुरालेख,प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन और कालक्रम

Indian Epigraphy, Paleography and Chronology

पूर्णाङ्क -100

सत्रान्त परीक्षा -70

आन्तरिक परीक्षा-30

सकल-अर्जिताधिभार 06

(Total Credits - 06)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)
खण्ड-क (Section– A) भारतीय पुरालेख
खण्ड-ख (Section– B) पुरालिपि
खण्ड-ग (Section– C) प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन
खण्ड-घ (Section–D) कालक्रम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का तात्पर्य छात्रों को संस्कृतभाषा के माध्यम से उत्कीर्ण किए गये शिलालेख सम्बन्धी पुरा लेखों का परिचय देना है। यह एकमात्र ऐसा स्रोत है, जो समकालीन समाज, राजनीति, भूगोल और अर्थव्यवस्था को सीधा प्रभावित करता है। यह विद्यार्थियों को संस्कृत में विभिन्न प्रकार के लेखन की विधाओं से परिचय कराने में भी सहायक होगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र संस्कृत में उत्कीर्ण किए गए प्राचीन अभिलेखों से परिचित हो सकता है।
2. इतिहास एवं पुरातत्त्व में विशेष अभिरुचि रखने वाले छात्रों को इस पत्र से अत्यधिक लाभ सम्भव है।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड-क(Section – A)
भारतीय पुरालेख

घटक (Unit)1-पुरालेख शास्त्र का परिचय और शिलालेखोंके प्रकार
घटक (Unit)2- प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति के पुनर्निर्माण में भारतीय शिलालेखों का महत्त्व
घटक (Unit)3-भारत में पुरालेखीय इतिहास का अध्ययन
घटक (Unit)4- प्राचीन भारतीय लिपियों के अध्ययन का इतिहास (पुरालेख (एपिग्राफी) के क्षेत्र में विद्वानों का योगदान) फ्लीट,कनिङ्घम, प्रिंसेप, बुह्लर, ओझा, डी. सी. सरकार।

खण्ड-ख(Section – B)
पुरालिपि

घटक (Unit)1-लेखन-कला की पुरातनता
घटक (Unit)2- लेखन की सामग्री, उत्कीर्णकर्ता (inscribers) और पुस्तकालय
घटक(Unit)3-प्राचीन भारतीय लिपियों का परिचय

सत्र २०१९-२० से प्रभावी

खण्ड-ग (Section –C)

प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन

घटक (Unit)1-अशोकसे सम्बद्ध गिरिनार की चट्टान (Rock) राजाज्ञा-1, अशोक के सारनाथ स्तम्भ

घटक (Unit)2- रुद्रदामन का गिरिनार शिलालेख

घटक (Unit)3-समुद्रगुप्त का एरण-स्तम्भ, चन्द्रगुप्त का महरौली लौह-स्तम्भ

घटक (Unit)4- बीसलदेव की दिल्लीस्थ टोपरा का स्तम्भ- राजाज्ञा

खण्ड-घ (Section –D)

कालक्रम

घटक (Unit)1-प्राचीन भारतीय कालक्रम का सामान्य परिचय

घटक (Unit)2-शिलालेखों के कालनिर्धारण की प्रणाली

घटक (Unit)3-शिलालेखों के मुख्य युग/काल-विक्रमकाल, शककाल और गुप्तकाल

संस्तुतग्रन्था:

1. अभिलेख—मंजूषा, रणजीत सिंहसैनी, न्यूभारतीय बुक कार्पोरेशन, दिल्ली, 2000.
2. उत्कीणालेखपञ्चकम्, झा बन्द्धु, वाराणसी, 1968.
3. उत्कीणालेखस्तबकम्, जियालाल काम्बोज, ईस्टर्न बुकलिंकर्स, दिल्ली.
4. भारतीय अभिलेख, एस.एस. राणा, भारतीय विद्याप्रकाशन, दिल्ली, 1978.
5. भारतीय प्राचीन लिपिमाला, गौरीशंकर हीराचंद ओझा, अजमेर, 1918.
6. Select Inscriptions (Vol.1) - D.C. Sircar, Calcutta, 1965.
7. नारायण, अवध किशोर एवं ठाकुर प्रसाद वर्मा : प्राचीन भारतीय लिपिशास्त्र और अभिलेखिकी,वाराणसी, 1970.
8. पाण्डे, राजबली : भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1978.
9. ब्यूलर जार्ज : भारतीय पुरालिपि शास्त्र, (हिन्दीअनु०) मङ्गलनाथ सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1966.
10. मुले, गुणाकर : अक्षरकथा, प्रकाशनविभाग, भारतसरकार, दिल्ली, 2003.
11. राही, ईश्वरचन्द :लेखनकला का इतिहास (खण्ड 1—2), उत्तरप्रदशहिन्दीसंस्थान, लखनऊ, 1983.
12. सरकार, डी.सी. : भारतीय पुरालिपिविद्या, (हिन्दीअनु०) कृष्णदत्त वाजपेयी, विद्यानिधिप्रकाशन, दिल्ली, 1996.
13. सहाय, शिवस्वरूप : भारतीय पुरालेखों का अध्ययन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.

Dani, Ahmad HSAan :Indian Paleography, Oxford, 1963.

14. Pillai, Swami Kannu& K.S. Ramchandran :Indian Chronology (Solar, Lunar and Planetary), Asian Educational Service, 2003.
15. Satyamurty, K. :Text Book of Indian Epigraphy, Lower Price Publication, Delhi, 1992.

Note: Teachers are also free to recommend any relevant books/articles/e-resource if needed